कुलगीत

वरदे वीणा पाणि शारदे।।
अखंड कीर्ती लाभ प्राप्त हो।
विश्वविद्यालय पर कृपा दृष्टि हो।
विश्व मान्यता नित बरसे।।

काव्यशास्त्र, साहित्य विधा नव।
उदीयमान कौशल विकास।।
शोध, बोध नवविचार उन्नत।
विद्या मंदिर नित हुलसे।।

अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी अरू।
मानविकी सामाजिक ज्ञान।।
भविष्य उज्जवल बनकर दिनकर।
छात्र तेज नित नित विलसे।।

Scanned by CamScanner